

कंठ



दुष्प्रल
गोप्रस
संगम

संगमसिद्धिनि
तवामउसिद्धि
आनन्दुली

संगमनियमिसिद्धि
विद्यार्थली

श्री गणेशाय नमः

1.230

ASHA ARCHIVES

५
 अथ सिद्धनालाहलकलसाद्यनवायविधिः॥ दातसकलसंगायः अनियतिः संगलय
 दवनतः॥ ॥ यथसिद्धनीसादः संगलयसदवनतः॥ यं विनवल्लिवायः॥ लंघु वलिना
 यंता॥ यविनः॥ यं विनगतयति॥ गमयसः॥ कोमात्री॥ यं विनकवाः वायः दावा आदि
 नः थवकुलपामऊगाथइगा॥ ॥ कलेमयाइवनः चतुमलुल पातवास वाया
 दतः॥ ॥ यिगिनिवायः यं थदः चतुमलुल दायकं॥ ऊम्बीन तील उगुं ३ गु
 उपीतं च आदकः लवर्णमन्त्रावनाजाः पूषा अरुतमेवच॥ ॥ थगत चतुमलुल
 दायकः यं विनयनिस्यः यं वा स्यं॥ आहुमासः नक्षत्रं यथगा॥ सिद्धनालाह

नपूजानिमित्तार्थं पूष्यराजनसमयुयामि॥ ३ नमनिवायः॥ शुद्धं भक्तनिव
 यसा न्निधनं सर्वकृष्णकिंश्चनः सानन्दसतायकः हगवातः संपूर्ण कामः
 दंवागीश्वरदलुवाहवयदाः वामादियकुं श्यतां वाविश्वकविहासकूष्टतय
 हाः मत्स्यः यगादिमां॥ ४॥ आदित्यं गलिमद्गलो वृधगुनः शुक्लं निर्गमः
 कुरुयस्यदसाविधानगदितं यागस्मिन् जमनि॥ रावंगायतजमकर्महलानिर्जित
 पूष्यराः नीत्यातस्यनवपुष्टागुहलालयात्मदात्यवित॥ सिद्धिनुकुरियातक
 वृद्धिः सुधनादिकः पूष्यनुसनीलः साकिनसुगुहगवा॥ सर्वविद्युगुमनः सर्वसा
 लिकर्तुगुहं॥ अथपूष्यं यकामः नक्षत्रं सक्तनिवर्धनं॥ यथावागयुहानां कवयं

वदुवा नल ४। तद्यदव विधातानाः मन्त्रिर्हवदुवा नल। देवकृष्णानादियुष्मता ऊनस
मपुयामि ॥ ७ ॥ १ सिद्धलक्ष्म्या ययाय त्रियाणि ॥ दंथा सकल सत ॥ यं विनसिंधु रिता उ
संगलया सद्धाय ॥ थया दूवनत वलमरु सिंधु मूढः थ सिंधु मूढस बंका अंगुलिना ॥
थयानाम पाण अंगु लि धाय ॥ सिंधु मूढ झादू काय तन वासन कंठ ॥ ॥ कलसन
यथानियति वा संगलवा ॥ थया दूवन सिंधु मूढ गः झादू काय तन वासन कं
ठ ॥ थ सिंधु मूढ वासः विन अंगु लि ॥ थयानाम विन अंगु लि ॥ ॥ कलसया
दूवनः थान वासन थाया उ च दमन्द लथा य ॥ च दमन्द लस पिति नीन
थाय कंठ ॥ आदित्या दिन य विन्य नि सय वा स्य ॥ च दमन्द ल ग्वल स

थंदा था सिंधु ल गः खंडित ॥ ॥ कलसयाः य विन गम म्र स कृष्ण ल हजाः
यिना यता दस ॥ ० ॥ कलसन य विन वलि वा इखा पिखा ॥ ॥ कलसन वं वि
न कंठः वायः दू सकन कल गया ज वला सत ॥ सिंधु ल मूढ खंडा स ॥ द
किनाः कः ज वखंडा सतः स सावाना य ॥ आकास माल ॥ सम सयु जाया
य धून दा उ ॥ आकास युजा स्व सिवा च ल वंद ॥ थ न धून दा उः कंन्याः
लासा ला उ हय स्व सि क स रु क उ च कंठ ॥ निन वं च धूय ॥ धून लि अ
र्घया ग स धा ग ल र व न हा य ॥ धून लि कल स आदिन ग कल ति म्र स

नतनक ॥ धूपादिपादि ॥ भुज ॥ मतहन द्वाय ॥ ताउचा लद्वाय ॥ नियतिक्क ॥ संल
नतद्वाय ॥ हउअनग ॥ अर्यपाउ लंखलहाय ॥ खदिन सित्रियंन ॥ नियतिख
वपासकाय ॥ यथ राचकं दातेसा गहलद ॥ आदिनं पासकाय ॥ हउअन
थाल्म ॥ पातनवासनकासिंधुमूढ काया वद्वाय ॥ चित्तं अंगुलील वंचलास
हचकं ॥ थसिंधुमूढ स चाल्म सिंधल देवसकं तं दाव ॥ वाक्कनादिवियाव ॥ सिं
धनकाय ॥ धूनदाअ ॥ चित्तसिंधल ॥ संगल नतचक ॥ गलल स्वाल ॥ सविय ॥ अ
सिखा विय ॥ थतल नियतिया विधि ॥ ॥ नन ॥ थ ॥ असन संवप ॥ दतया

व सिंधूनीसाद वा ॥ संगनवानद्वाय ॥ हवर्नं ॥ निंधूनीसाउ ॥ खवपासकाय ॥ यथ ॥ य ॥ थ
लाचकं ॥ गह ॥ आदिनं ॥ पासकाय ॥ तव ॥ अह सिंधुमूढ स चाल्म व का अंगुलीन वला
या ॥ अनामना सहचकं ॥ थ सिंधनन ॥ देवतन ॥ पूजा वा नि ॥ आदिन वियाव सिंधनका
य ॥ यत सिंधनन ॥ गचकं ॥ ल ॥ यत ॥ गचकं ॥ संगनन ॥ गचकं ॥ गलल स्वाल ॥ स ॥ विय
॥ अनिरा विय ॥ अतिहाया ॥ थत सिंधलया विधि ॥ ॥ देव ॥ अन्न संकल्य ॥ द
क्षिण ॥ वलि ॥ ईखा पिंवा ॥ पिनाय राउ स ॥ काय ॥ ॥ अरि ॥ प ॥ यत सिंधन
संगल ॥ गन स्वाल ॥ स विय ॥ अनिरा विय ॥ सहल लय ॥ वनु मधुदाय

क. वायापितिनिस. र्वाग्बदाकाव. चधुमधुलस. आगलकायाव थपि
टिनिनदाय॥ वल्लमधुलस गलस. गया. निधनन. र्वाक. खान. विथ
॥ गायस. कूफलरुजा. कवा. काय॥ सूर्यसाविथय॥ पूर्ववल्लकेन
॥ नियटिया चान. सिंधुत्रिसाठया. दन्य॥ थनसिंधनकायविधि॥ इना
धुर्ल॥ यथादृष्टतथालिखितं॥ ॥ लिखिकानासिद्धखयन्॥ ७ ॥ अथ॥

एवसि॥ श्रीमर्त्यकजविष्टनाहत्रिहनावायूर्महन्डानल. थन्डाहासकनवि
रुपात्तवन्तः॥ यथाधियादियहा॥ यद्युम्मानलकवल॥ सूनगजथिना
मनि॥ कोसुर॥ यामिनाकिधनथला
श्रीमर्त्यकज विष्टनाहत्रिहना

१६॥ गुरुनाथसायनमः॥ ॥
अथ मुकुटासकोमानीयुजा
लिखत॥ अथ साधनगीर्था
॥ सा मान्यवटस्कोपनी॥ लिखा
यव नमः मधुर्लविलिख्य॥
कीष्णाभनभाकथनमः॥
नमः॥ सन॥ दृष्ट॥ कथा॥
नमः॥ लखवः॥ गंगानि॥ अ
कथाम् जगन्मावाक॥ भूते
सेने गंगामदिसकसागभथा
नमः॥ जोहदयादिषडंग
थानमः॥ आवाक॥ धनम
॥ इति गुरुसाधनी॥ ॥ दिव्यं
धनं प्राप्य नान्यास॥ स्ववाम
लिखा॥ दृष्ट॥ वरुनसुविलिख
॥ गुरुनाथकवी॥ वरुन॥ ॥
ककामनुपादिचतुर्षीयनम
॥ ॥ कीष्णाभनभाक्यादियान

मः॥ सिन्धु॥ ॥ गंगी नर्मो मं
माचिनादिदधकला॥ वृत्त
नमः॥ मिमधुल्लाय॥ ॥
स्कोप॥ ॥ ॥ लोहिहं॥ गंगपि
न्यादिदादधकलास॥ नमः
यामधुल्लाय॥ ॥ कुरु
॥ कीष्णाभनमः॥ ॥ ॥
अने नवरेनवरेनवरेनमः॥
नमः॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
जीकलकसायसे॥ सुनादय
॥ कीष्णाभनमः॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वायधीमहि॥ गंगान्मधनपथा
दया॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
हृत्॥ म॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
निर्गमलापारीपीयूषपनमा
वरु॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नयित्या॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

दा नि नमः॥७॥ सो सी सूर
 अमृता दिभा उभी कनोस
 नक्षममपु लाय२॥ उं नम
 ॥ च उ नम मदा॥ दी नमः॥
 मस्या मदा॥ की नमः॥ मसि
 मदा॥ वं नमः॥ धनमदा॥
 सुं नमः॥ आनिमदा॥ मोसु
 न्ने न्ने पंचभा कनोस यनमः
 ॥ रुद॥ नाउनं॥ रुअ वरु धनं॥
 नमः॥ धा कर्षा॥ उ ह ले म री
 वा नद्या धी॥ तिका धी वा म री
 नलिथा॥ अं अं १३ कस्य ३४ क
 मदा तिका धी वि लिथा॥ राना
 ॥ अ॥ की वि लिथा॥ रु की को
 नमः॥ द्रुद्र॥ अ३॥ उं वा म दवा
 यवो यट वा म द वा य२॥ उं पशु
 य राय अमु य द द पशु य राय
 ॥ अ३॥ की धी प न म दवा मिनि
 य न मा कान द न्ने सु र्या नि री
 नि मा उं वि स र खा ला॥ ने की धी
 आ न न्ने म द वा य वि द्रु हं धु अ

दधे धी म री राना धन मी प्र
 आ द या रा॥ ३॥ उ न्ने वि द्रु धु
 क अ प भा च नी॥ वी वी वृ वृ वृ
 वृ वृ वृ अ अ प भा चि रा यी
 उ प वृ १॥ ३॥ का का क वृ वृ क
 ४ क वृ वृ अ प भा चि रा यी २॥
 ३॥ धी अ प भा चि रा यी २॥ धी
 धी क अ प भा चि रा यी २॥ धी
 कानि का म री अ प भा चि धी
 कानि क वृ नि का क वृ नि धी
 कानि कानि कानि न द य र न र खा
 कानि क वृ का नि नि धी ३॥ की धी
 अमृता म री रु व अ म री न
 यी लि म रा य का म री क र खा
 ॥ नि न रु नि नी॥ की की न र यी नि
 न रु नि नी स क ले न वा य॥ दि
 नि स क ले य स वा रा म न ४ व रु
 प द ४॥ धी ग डि का वा यी कि नि न
 रु नि नी क न २० ४० ४० ४० स्वा रा॥ य
 सै सा अ॥ न स द द्र॥ वं अ म री क र
 ॥ की नि स ४० ४० नि नि न न नु धा सु य

[illegible]

ॐ नमश्चिवाय नमः॥ ॥ ॐ नमश्चारवे ॥ ॐ नमश्ची सरस्वत्ये नमः श्रीरामचन्द्र

श्रीगुरवे नमः॥ ॥ प्र नम्य चादे
 ग नगा यक न रुद्रात्मज्ञो वि
 द्यु विनाम न च सक्षेपतो लो
 क हिता यवक्षे कवाधितो भा
 स्वति नाम सुब्रम्॥ १॥ नत्वा मु
 रो रे श्व र नार विन्दः श्रीमा
 सता नन्दो न प्र सिद्धि नाभा
 नि शि य्या हि ना र्थ मा हः शा
 के दि हि नम शि पक्षे वे के॥
 २॥ १०२९ अथ प्रवक्षे मि
 हि गोप देव्याः तत्सूय मि
 द्वा न्त स मं स मा भ्या नः शा
 को न वा दि न्द क शा नु ३९
 ७२ उक्त कर्त्तु र्ग त स्य व
 ग ना सु द नः॥ ॥ व्य हि न्न ४२००
 भो लो च न वे द हि नः शा स्त्रा व
 पि शा द क धि त स्य ये वे दः॥ २॥

शा स्त्रा व धि पा द स्वर श्रुत्य १००
 ७ दि द्युः क्ता ना नि ३४२ युक्तो
 सः शा ने द ०० वि भक्तः न ध्व न
 गो मे ७ धि न म ग ई युक्तः स्र य्या
 दि स व त्स र पा ल के श्वे॥ शेषं ह
 रे प्रो क्तं पु थ क ग जा स्या
 १०८ अथ रवे रो द हि को क्र
 व स्या दः क ति र वि क्र वाः॥ स
 ह स्या १००० नि द्यं र व वि धु १०
 धि तो धः र व सि द्धु भा गो २४०
 न भ च न ३०० शेषः र व पंच
 १० स्र उक्त द श १० द्यु श्रु दिः
 चं द्रा स्र द १२ भा गो भ्या धि क श
 शा क ११॥ रु द्रा ११ ह तो वे द ४ उ न
 रि न ४३ शेष चतु र्ध कि द ४४ ग
 र द १२ द्यः अथ क र व र व ७००
 गा प्र उ ने तु के दः अ क्र्या स
 भा गा द ज न १॥ स २० यु क्तः के

इवधवधु दिष्टमेवचंद्रैः १२५
यवोनि तोमधो विध्वं कवस्या
त. इति चन्द्रकवाः ॥ पान. शर
पयाना नगनेव २७ शुक्ल. स्त्री
नन् २ शेषो गगनागु

निद्रान् दुर्दिग्दु रासापन

इवराम हिन. सासो दधि

ॐ कलकलिसफल मानय ॐ
फदे लाहाधा ८ कलं याचा काया
ओ लाल धयावनगलननाम कोसो
शुन्य दूसानस उय. सुसानस शुना
नधे राकसा ८ ॥ ० ॥ ॐ होहि हो
होस पयोमा होनयव राहीसव
द साजुलकाओमहाजुयादेसन
यावनाधे भस्मयाया ॥ ५० ॥
रागीजारी यायग ॥ ॐ नयग
मेदमाह. देदमोह. दाईनीमा
ह देदमाह वा अमाह. कोक

ओ गुरवेः ॥ ॥ अगम्य चादो गगन

णा यकव. रुद्रात्मज विपकि
नासने

ओ गुरवेः ॥ १

पलेतु अर्थलाभाय वामे वशुनप्रद

पलेतु अर्थलाभाय वामे वैवशुभप्रद दक्षिणो धनरुचीच. समुखेमर

मखमाह. हानमाह. गोरामाह. धर्ती माह. आकाशमाह. पापजयगुरु
कोवावाधा ८ ॥ ३ ॥ ॐ नमो नारायण धन्वतरी न्य भेलवा यन्यगुरु आशा

नादिया भेदस्वय ॥ च. श्रीमाल चुकाव नारी वा ८ पित्तया ॥ कृता कृतां सननादी

दोषया ॥ ध्रु २ सननारी क हिं चालया ॥ यी वा या नुगसन थ्यसनया

वा भस्पाकया ॥ वा सुसी उता उति वत बुकना दि. मुमुया ॥ निकस्प

सो माह. रातमाह.

उ गि २ वा न ना दी ॥ व गी फः फः पु ली ना दी वी वाई ॥ नि कृ स्मे वे लः पु र्ण स न ना दी मे व
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ असा लि वि छु ना लि हं फः र्वा हा ॥ धर्म नू ॥ पंथा गु पु य गु ला ॥ वा ॥
 शा के ॥ व क मा वे १ १ मे पा ले २ २ क लि ग ते ३ ३ चे व सु दि दि नं ३ ३ २ २ रा २ न ३ ४

१ १ २ अ २ वि २ व १ स मे वे ५ कः ३ ३

ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ ई धि नी धी मा

२ २ ४ म २ ४ प्री २ अ २ वा ले २ भो मः २ ८
 ३ २ २ ३ ३ अ २ २ २ ३ उ भा २ २ ५ पौ छे २ भ गः २ ४
 ४ ३ २ ४ ३ ३ २ २ ४ म १ ३ ३ २ या
 ५ ३ ४ ४ ३ ३ २ २ ४ म १ ३ ३ २ या
 ६ ३ ४ ४ ३ ३ २ २ ४ म १ ३ ३ २ या

हाम ती यी ज ती स्वा हा धा ८ ७ धर्म न ज प ल
 पं की र वा य के आ विल ग व ई का प का प
 चि नी प ती या लु ती कृ र्ण का गु २ १ वि ध त नि
 ला ३ ३ र वा य के वा ल प म चा व ओ हि चा ३ ३ या

३ ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २
 ४ ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २
 ५ ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २
 ६ ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २
 ७ ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २
 ८ ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २
 ९ ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २
 १० ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २
 ११ ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २
 १२ ३ २ ४ ४ २ २ ४ ३ म ३ २ ३ वा ले ३ भो मः ३ २

ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि
 ॐ नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ मा स क वि क पा ले को कि ए मा र्कि

चैत्र व दि दि नं ३ २ १ १ रा त्री २ १ ४ ३
 १ ५ ० स्वा २ ५ सि २ ४ व १ ५

ॐ नमो गुरु आशा राजा री ग म प र ये स्वा हा ७ धा मो
 स्वा क पा पु य ॥ ० ॥ ॐ हि हि हि हि म र्मा र य हं फ
 र्वा हा धा ७ कि मि या ध य लु च के

१४ २ ४५ वि २२ व्य १६ अ १६ पूर्वोत्तर १२
 १५ ३ ३२ अ १८ व १० श १० म १२ उ ३२ या द १ मे वे १३
 १६ ४ ३६ अ १६ प ४ र १८ म १० भो मः २३
 १७ ५ ३३ म १८ शि ५८ व १२
 १८ ६ ३१ पू १३ सा ५१ म २० भ ३१ उ
 १९ ७ ३० उ १८ अ ४६ उ ११ म १ या पि मे २ मार्ग शनिः २६
 २० ८ ३० अ १६ अ ४३ उ २० य मे १ भ ८
 २१ ९ ३१ व १८ उ ४१ अ २३ १२ उ ४५ ६७ ८ २
 २२ १० ३३ श २२ अ ४२ श २० ५३ उ ३३ या य मे १ जः २४
 २३ ११ ३८ पू २८ व ४३ ५५ १२ ११ २३ ४६ ७ ८
 १२ ३४ ५६ २ १० ११ १२ ३४ ५६ ७ ८

२४ १२ ४३ उ ३४ वि ४४ व २६
 २५ १३ ४३ उ ३२ प्री ४५ म ३० भ ४३
 २६ १४ ५३ अ ४६ अ ४७ उ २८ म २० या म ३० मि ४३ न भो मः ५१
 २७ ३० ५८ म ५३ मी ४८ उ २२
 २८ २२ वै सा ष सु दि दिन ३३ ५ रा २६ ५५
 २९ वै दि ० क ६० शो ४९ अ ३०
 ३० १ २ क १ अ ४८ श ३१
 ३१ २ ४ म २ अ ४६ ५ म ४६ अ ३०
 ३२ ३ ५ म ६ अ ४५ व २ म ३६ उ आ १ भ ८ १
 ३३ ४ ६ म ७ अ ४४ म ५ या

३४ ६ २ ति ८ ३४ ४ ५ म ५२ ३
 ३५ ८ ५ ६ अ ६ ३९ शु ६ म २२ या
 ३६ २ ५ ९ म ५ २२ श ७
 ३७ १० ४ ६ म ९ १८ र ८ म २१ मो ५
 ३८ ११ ४ ७ म ५ ६ ५ २ म १३ उ ४ या
 ३९ २ ३४ वि ५० ४ म १०
 ४० १३ २ म ४ ८ व ४० उ ११ वा १० ड ५ ६ मि १७ ने १५ य ना १० ड ५
 ४१ १४ २२ वि ४ ६ व ३३ ४ १ म २२ उ ४ २ या
 ४२ १५ ७ अ ४ २ सि २४ ७ १३

वेसाखवदि. दिने ३३ ४९ रा २६ ११

४३ १ १२ ज्ये २८ मि २० रा १४

४४ २ ७ म ३४ मा ११ र १५ म ३६ उ
 ४५ ३ ४ म ३३ शु १४ व १६ म ४ या
 ४६ ४ २ म ३३ शु १० म ७
 ४७ ५ १ म ३४ व ६ ७ १८
 ४८ ६ ३ म ४५ म ५ ६ १२ म २३ उ ३३ या
 ४९ ७ ४ म ४६ व ४ ७ २०
 ५० ८ ५ म ४८ वि ३ ७ २१
 ५१ ९ ६ म ५२ जी २ ७ २३ म ४२ उ
 ५२ १० ७ म ५८ आ ३ ७ २५ म १५ या
 ५३ ११ ८ म ६० सो ५ म २४
 ५४ १२ ९ म ६५ शो ६ ७ २१ म १० ड ५ ६
 ५५ १३ १० म ७१ अ ८ ७ २२ म २२ उ

५६ ४ ३३ का १६ सु २ अ २७ म १ या
५७ ३० ३४ रा २१ ६ १० रा २७ अदितौ १ भो म ४१
ज्येष्ठ सुदि : दिनं ३३७ रा २६ ५३

५८ १ ३५ म २९ भू २८ २२

५९ २ ३५ आ २५ ग ८ च ३०

६० ३ ३४ उ २७ द ५ म ३१

६१ ४ ३३ ति २८ क १ ७ ३२ म ६ ३३ या मिथुने ३६ ५५।

६२ ५ ३१ अ २७ ५१ ६ १ संभोगा ३६

६३ ६ ३० २५ व ४६ भू २

६४ ७ २९ म २३ सि ३८ श ३ म २१ उ

६५ ८ २८ उ २९ व ३३ ४ ८ म ५० या

६६ ९ २७ क २५ व २४ च ५

६७ १० २६ ति २६ म २६ म ५ म ३५ उ ५८ या

६८ ११ २५ वि २७ मि २७ ७ २

६९ १२ २४ श २८ भू २८ ८ २ म ४३ क

७० १३ २३ म २९ भू २९ ९ ३ म १० या

ज्येष्ठ वदि : दिनं ३४।२४ रा २५ ३६

७१ १ ३४ म ५३ व ३८

७३ २ ३१ ५३ ३६ ३६
 ७४ ३ ३० ५४ ३९ ३९ म १७ ३० आ
 ७५ ४ २२ ५५ २८ २८
 ७६ ५ ३० ६० ३० ३०
 ७७ ६ ३३ ० ३३ २६ म ३३ ३
 ७८ ७ ३१ ५ ३१ २१ ३१ ३ ५ आ
 ७९ ८ ४२ ९ ९ २८ २८
 ८० ९ ४८ ९ ९ २८ २८
 ८१ १० ५९ २३ ३० ३० म २० ३ ५ आ
 ८२ ११ ५८ २८ ३९ ३९
 ८३ १२ ५८ ३४ ३२ ३२

८४ १३ ६० ४० ३२ ३२
 ८५ १४ ९ ४४ ३९ ३९ म १७ ३३ आ
 ८६ १५ ४ ४० ३० ३०
 ८७ ३० ५ ४८ २८ २८

: आरवाठसुदि: दितं ३४।६।२५।५४:

८८ ४ ४ ४ २४ २४
 ८९ २ ४

आशा मरुती

1.230

ASHA ARCHIVES

ॐ ह्येतु अर्थभाभाय वामे चैव अभिप्रदः दक्षिणे धनहन्त्री च समुखे मरगा ऊवः ॥ १ ॥
ॐ त्रिकोणमतेषु पुरमध्यो शरस्तथा ॥ तोयचतुस्य धाकालः पूर्वोदिकमस्तथा ॥ २ ॥
ॐ ॥ आ ॥ द ॥ ने ॥ प ॥ वा ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ अ ॥ ए ॥ उ ॥ म ॥ च ॥ र ॥
चन्द्रमा समुखेऽर्थभाभायै वामे चन्द्रधनैः क्षयः ॥ दक्षिणे धनधान्यादिः स्रष्टे च मरगा ऊवः ॥ ३ ॥
योगीन्द्रसुखदा वामे स्रष्टे वा दक्षिणे ॥ दक्षिणे धनहन्त्री चैव समुखे मरगा ऊवः ॥ ४ ॥

[illegible]

ॐ नमः श्री ग न साय नमः ॥
 ॥ विवा सिन्दु गाव गोरु न
 विधि लिख्यते ॥ धी काठि
 यऊमाना ॥ अथ मर्न ॥ धर
 खान विप ॥ उा किर्न रवा वि
 विस्मि ॥ अद्यादि ॥ यऊमा
 नसाव धसिन्दु गाव गोरु न
 कलसाव न कर्कशीसूर्या
 यार्ध नमः ॥ ॥ स्थान तेने
 कुंभाद न कालिम ग्नेभ्यः
 ऊना नास्मान गे अभिदि ॥
 कतम इगनीर्न न रत्नो
 मिधिव तास्करी ॥ ॐ तास्क
 रये यथा नमः ॥ ॥ यऊ
 रलि लोहातान थिय कर्ने
 ॥ ॥ यथा ताऊनी ॥ ॐ नमः
 रवाय ॥ ॐ अमनः ॥ अभि
 यसा दय गमः ॥ सवेदः ॥ स
 कीय गः ॥ सा नन्दः ॥ स गेना
 यकः ॥ स रगावान् सीयर्कः ॥ का

मयुदः ॥ वागीः ॥ अमव नदसु
 वागवय दावा मादि वकु
 अगः ॥ अमक काधि विनाम
 कष एय रा म पा अय रा हि
 मी ॥ अद्यादि यः ॥ अभिम दीयो
 व धउगः ॥ उकुः ॥ अभिः ॥ अमः
 स गे व कर्कश स्यादः ॥ अम विध
 न ग निग यः ॥ अम सिर्न रत्नो
 नि ॥ तावः ॥ अम व न उ नमः ॥
 सह ला निर्दिष्ट पृथि य गीः
 नि का स स न द ग रा ॥ ॐ
 र ह ला र या सदा ए विना
 ॥ ॥ सिद्धि रसु कि या न
 अद द्वि ग सु ध ना य थि य
 सि ग सु गी गे व अभिने स
 न र र ग द ॥ सवे विद्यु य म
 मनी सुवे अभिने करी ॥ ॐ री
 अय य ग अका म अल न
 अम नगी व द नी ॥ य अम व
 न उ ला ग ना क द या र य यु क
 ने री ग द द व वि धा ग ना म

अर्धपाशादकनकलभमि
 सिञ्चनं ॥ अहिनीसर्क
 रीयार्कः सर्वस्मिन्नि सिञ्च
 र ॥ पवित्रुञ्चन्मदायार्क
 स्मादात्रिष्टु सिञ्चयत् ॥
 ॐ अयविष्टुष्टयविष्टावास्
 वीर्गसुगोपिवा ॥ यष्टस्म
 न्स्वष्टनीकार्कसवाक्काय
 न्नष्टष्टुविष्ट ॥ ० ॥ ॐ स्वप्
 ष्टुकलभयम्बुजयाय
 अम्बुगीश्वरीभक्तिस्त्रिगा
 यस्माद्भयसुगनयविवात्र
 स्त्र्यंष्टमासननेमपृष्ठा नमः ॥
 गङ्गादागार्धनीष्ट ॥
 ॐ नन्दिने नमः ॥
 ॐ महका लाय नमः ॥
 ॐ रक्षिने नमः ॥
 ॐ विनायकाय नमः ॥
 ॐ वसाय नमः ॥
 ॐ स्वन्दाय नमः ॥

ॐ दधौ नमः ॥
 ॐ वभय नमः ॥
 ॐ आभगशकथ नमः ॥
 ॐ अनकास नाय नमः ॥
 ॐ अर्द्ध लाय नमः ॥
 ॐ ना लाय नमः ॥
 ॐ यदाय नमः ॥
 ॐ यगुाय नमः ॥
 ॐ कशगाय नमः ॥
 ॐ कस्त्रि काथे नमः ॥
 ॐ धर्माय नमः ॥
 ॐ क्लानाय नमः ॥
 ॐ वैगाभय नमः ॥
 ॐ नुवर्थाय नमः ॥
 ॐ अधर्माय नमः ॥
 ॐ अक्लानाय नमः ॥
 ॐ अवेगाभय नमः ॥
 ॐ अनेवर्थाय नमः ॥
 ॐ आवाहनी ॥ ॐ मन्त्रुष्टयमह
 दवः त्रिजगत्सुहृन्मोदिनद
 अस्मिन्पञ्चाविधे धमनेवः समाग
 कृताकृत्स्नाहम् ॥ ॥

ॐ वृषासनाय नमः ॥
 ॐ सिरासनाय नमः ॥
 गीष्मनाय ॥ ॐ वृषसिंहसिं
 र्दधः हिमकुन्देन्दुसिं
 ह ॥ ॐ कवकुटिनेत्रध्रुव
 तुल्यमहोदधौ ॥ ॐ श्रु
 कधनदधः वक्राकलमध
 त्रिर्धौ वाभानसङ्गीर्दधौ
 दिव्यजिकलमधौ ॥ ॐ
 मारुतारुबाधौ स्थितौ वि
 त्तिलसिनी ॥ ॐ वामसीध
 रीधमन्त्राः सर्कपायपुना
 रान् ॥ ॐ सद्युक्तलमध
 मरुतुष्टयाय अमरीध
 त्रिसहिताय धमनपुष्पा
 नमः ॥ ॥

ॐ सनधौ नमः ॥
 ॐ कोटिधौ नमः ॥
 ॐ गीर्धौ नमः ॥
 ॐ वाजमही नमः ॥
 ॐ दृढयाय नमः ॥
 ॐ जितसु नमः ॥
 ॐ जिज्ञाय नमः ॥
 ॐ कवचाय नमः ॥
 ॐ नेत्राय नमः ॥
 ॐ अस्त्राय नमः ॥
 अवारुनस्त्राय नमः ॥
 धमनसिन्धौ धपाद्याधौ
 वमनियस्रानीयाय नमः
 वमनीयाभिः चन्दनसिन्द
 राकृतयक्त्रपदीतकपू
 षा नमः ॥
 ॐ ज्योतमाय नमः ॥
 ॐ रात्रकायाय नमः ॥
 ॐ विधमसिन्धाय नमः ॥
 ॐ यमदमय नमः ॥

ॐ वसिष्ठाय नमः ॥
 ॐ कस्याय नमः ॥
 ॐ अयय नमः ॥
 ॐ सुकसिंशाय नमः ॥
 ॐ सधाजाताय नमः ॥
 ॐ वामदेवाय नमः ॥
 ॐ अद्यानाय नमः ॥
 ॐ तस्य नष्टाय नमः ॥
 ॐ ॐ सोनाय नमः ॥
 ॐ सदाशिवाय नमः ॥
 ॐ आदिताय ॐ देवाय
 अग्निवृक्षे विदेवताय नमः
 ॥ शमायः उमायः आयुष्य
 विदेवताय नमः ॥ अगमनाः
 सुदायः सितियुष्ये विदेवता
 य नमः ॥ ॥ विष्णवे नमः
 नायः विष्णवे विदेवताय
 नमः ॥ वरुणाय नमः ॥
 ॐ नृपय विदेवताय नमः
 ॥ उक्राय भक्रायः भविदि
 युष्ये विदेवताय नमः ॥
 ॥ भवे देवायः यमायः

जगत्पति विदेवताय नमः ॥
 एतद्देवतायः सूर्ययुष्ये वि
 देवताय नमः ॥ केतुदेवः वि
 उरुकायः वक्रयुष्ये विदे
 वताय नमः ॥ उन्मर्गस्य
 अश्विदेवताय नमः ॥ अ
 वारुनादिपूजनी ॥

ॐ अस्त्रकोमाय नमः ॥
 ॐ वलदेव नमः ॥
 ॐ वासाय नमः ॥
 ॐ रुद्राय नमः ॥
 ॐ विरिष भय नमः ॥
 ॐ कृपाय नमः ॥
 ॐ यत्र उमाय नमः ॥
 ॐ मार्कदेवाय नमः ॥
 ॐ अस्त्रविर्गीदेवताय नमः ॥
 ॐ अवारुनादिपूजनी ॥
 ॐ ॐ नृपय नमः ॥
 ॐ अगमनाय नमः ॥
 ॐ यमाय नमः ॥

ॐ नैम शाय नमः ॥
ॐ वगभय नमः ॥
ॐ वायकी नमः ॥
ॐ कुवगाय नमः ॥
ॐ ॐभभय नमः ॥
ॐ ज्थकुय नमः ॥
ॐ उथकुय नमः ॥
ॐ नुदिदभलाकपात्रेण
नमः ॥ आवाहनादि यरुनी ॥

ॐ सम क्षलवाय नमः ॥
ॐ सहोवाय नमः ॥
ॐ सहोवाय नमः ॥
ॐ समक्षलवाय नमः ॥
वगवाय नमः ॥
आवाहनादि यरुनी ॥

ॐ कगाय नमः ॥
ॐ वृगाय नमः ॥
ॐ दगाय नमः ॥
ॐ कलि यगभय नमः ॥
वृगभय नमः ॥ आवाहनी ॥

ॐ ज्मदि वेदाय नमः ॥
ॐ ययवेदाय नमः ॥
ॐ सामवेदाय नमः ॥
ॐ ज्मवेवेदाय नमः ॥
वृगवेदाय नमः ॥
आवाहनादि यरुनी ॥

ॐ उावादि याय नमः ॥
ॐ भमकदि याय नमः ॥
ॐ क्मदि याय नमः ॥
ॐ क्मदि याय नमः ॥
ॐ यल केदी याय नमः ॥
ॐ उाव भदी याय नमः ॥
सयदी याय नमः ॥
आवाहनादि यरुनी ॥

ॐ वागसागगाय नमः ॥
ॐ क्रीगसागगाय नमः ॥
ॐ सधि सागगाय नमः ॥
ॐ दधि सागगाय नमः ॥
ॐ ॐक सागगाय नमः ॥
ॐ महि सागगाय नमः ॥
ॐ साद सागगाय नमः ॥

सुप्रसादाय नमः॥
आवाहनादिपूजनी॥

ॐ तलाय नमः॥
ॐ नितराय नमः॥
ॐ सुरलाय नमः॥
ॐ चितत्राय नमः॥
ॐ तगार्कत्राय नमः॥
ॐ पातात्राय नमः॥
ॐ तसारात्राय नमः॥
ॐ सुप्रसादात्राय नमः॥
आवाहनादिपूजनी॥

ॐ उन्नताय नमः॥
ॐ तयत्राय नमः॥
ॐ मरुताय नमः॥
ॐ एवत्राय नमः॥
ॐ श्वत्राय नमः॥
ॐ सुप्रसादाय नमः॥
ॐ सुप्रसादाय नमः॥
आवाहनादिवन्दनाय नमः॥
तयत्राय नमः॥

ॐ वसन्ताय नमः॥
ॐ गीष्माय नमः॥
ॐ वर्षाय नमः॥
ॐ शरदाय नमः॥
ॐ हिमंताय नमः॥
आवाहनादिपूजनी॥

ॐ आपादत्राय नमः॥
ॐ भूत्राय नमः॥
ॐ सामाय नमः॥
ॐ धृतिाय नमः॥
ॐ जनेत्राय नमः॥
ॐ अग्नित्राय नमः॥
ॐ तृप्तयेत्राय नमः॥
ॐ तृप्तयेत्राय नमः॥
ॐ अक्षवसुत्राय नमः॥
आवाहनादिपूजनी॥

ॐ अत्राय नमः॥
ॐ अत्राय नमः॥
ॐ अत्राय नमः॥
ॐ अत्राय नमः॥

ॐ हलाय नमः ॥
ॐ वक्रगणाय नमः ॥
ॐ शुभकाय नमः ॥
ॐ स्रग्भगाय नमः ॥
ॐ सावित्री नमः ॥
ॐ उयन्त्रि नमः ॥
ॐ पिनाकि नमः ॥
ॐ जयगतिगाय नमः ॥
ॐ नृकादभानुं स्थानमः ॥
आवाहनादिपूजनं ॥

ॐ नृगाय नमः ॥
ॐ भूत नमः ॥
ॐ रीताय नमः ॥
ॐ पूषा नमः ॥
ॐ मित्राय नमः ॥
ॐ वरुणाय नमः ॥
ॐ अरुमाय नमः ॥
ॐ विवस्वताय नमः ॥
ॐ अश्विन नमः ॥
ॐ सवित्र नमः ॥

ॐ तृषाय नमः ॥
ॐ विश्वेदेव नमः ॥
ॐ द्यादभ आदि तृस्थान
मः ॥ आवाहनादिपूजनं ॥

ॐ युगिपद्याय नमः ॥
ॐ द्विगिगाय नमः ॥
ॐ रगीयाय नमः ॥
ॐ वरुणे नमः ॥
ॐ यक्ष्मी नमः ॥
ॐ सख्मी नमः ॥
ॐ सयम्मी नमः ॥
ॐ अश्वमी नमः ॥
ॐ नवमी नमः ॥
ॐ दशमि नमः ॥
ॐ नृकासि नमः ॥
ॐ द्यादभ नमः ॥
ॐ गुप्तादभ नमः ॥
ॐ वरुदेव नमः ॥
ॐ पुष्पमाभी नमः ॥
ॐ अमावासी नमः ॥
गुणिय आदि तृस्थानम
आवाहनादिपूजनं ॥

ॐ अक्षि न्यादि अक्षु विभीति
 न कैष्ठेण नमः ॥
 ॐ अश्विनि नमः ॥
 ॐ एत (अ) नमः ॥
 ॐ कृत्तिकार्थ नमः ॥
 ॐ गृहि वि नमः ॥
 ॐ मृग मित्र नमः ॥
 ॐ आर्द्राय नमः ॥
 ॐ पुनर्व सुव नमः ॥
 ॐ पुष्यार्थ नमः ॥
 ॐ ज्येष्ठार्थ नमः ॥
 ॐ मघार्थ नमः ॥
 ॐ पुष्ये ह्य नमः ॥
 ॐ उरु ह्य नमः ॥
 ॐ हस्तार्थ नमः ॥
 ॐ चित्रार्थ नमः ॥
 ॐ साधे नमः ॥
 ॐ विभ्रार्थ नमः ॥
 ॐ अर्द्राद्यार्थ नमः ॥
 ॐ श्रवार्थ नमः ॥
 ॐ मूलार्थ नमः ॥
 ॐ पुष्यार्थ नमः ॥

ॐ उग्राधाय नमः ॥
 ॐ अरि वि नमः ॥
 ॐ श्रवणार्थ नमः ॥
 ॐ धनैस्त्राय नमः ॥
 ॐ शरारिषाय नमः ॥
 ॐ पुष्ये ह्य नमः ॥
 ॐ उग्र ह्य नमः ॥
 ॐ श्रवार्थ नमः ॥
 ॐ अक्षि न्यादि अक्षु विभीति
 न कैष्ठेण नमः ॥
 ॐ अरि वि नमः ॥
 ॐ श्रवार्थ नमः ॥
 ॐ शरारिषाय नमः ॥
 ॐ पुष्ये ह्य नमः ॥
 ॐ उग्र ह्य नमः ॥
 ॐ श्रवार्थ नमः ॥

ॐ वाद्यानाय नमः ॥
 ॐ रुक्मिणाय नमः ॥
 ॐ वज्राय नमः ॥
 ॐ भुवि नमः ॥
 ॐ वरिष्ठाय नमः ॥
 ॐ पत्रिण्याय नमः ॥
 ॐ मित्राय नमः ॥
 ॐ सिद्धाय नमः ॥
 ॐ साध्याय नमः ॥
 ॐ भुवनाय नमः ॥
 ॐ भुक्ताय नमः ॥
 ॐ वृक्षाय नमः ॥
 ॐ ॐ न्याय नमः ॥
 ॐ वैद्यनाय नमः ॥
 आवाहनादिपूजनैः ॥
 ॐ ववादिक्मणाय नमः ॥
 ॐ मित्रादिभूतैर्न्याय नमः ॥
 आवाहनादिपूजनैः ॥

ॐ मन्त्रादिद्वादशगोत्रिणाय नमः ॥
 ॐ मन्त्राय नमः ॥
 ॐ वृषाय नमः ॥
 ॐ मिश्रनाय नमः ॥
 ॐ कक्कटाय नमः ॥
 ॐ सिंहनाय नमः ॥
 ॐ कन्थाय नमः ॥
 ॐ पुलाय नमः ॥
 ॐ विक्काय नमः ॥
 ॐ धनक्रे नमः ॥
 ॐ मकलाय नमः ॥
 ॐ कुंलाय नमः ॥
 ॐ मीनाय नमः ॥
 आवाहनादिपूजनैः ॥
 ॐ वृक्षजातिभ्यां स्तुत्यै
 दानावाक्षसंगोत्रैः ॥
 वदवदाक्षसंयुक्ताः ॥
 क्लृप्तभनभ्रातृ ॥

ॐ संखाय नमः ॥
ॐ यद्याय नमः ॥
ॐ वक्राय नमः ॥
ॐ सनाय नमः ॥
ॐ त्रिधनमः ॥
ॐ श्रीमूर्त्ये नमः
आवाहनादिपूजनं ॥

इदं धिस्तु पावनाय च नमः
भगवते नमः ॥ नाना विधमिदं
काशः नमस्तु नमः ॥

ॐ लक्ष्मिस्तु नमः ॥
द्विधं नमस्तु ॥
ययः यदं नमस्तु ॥
नमस्तु ॥ ० ॥

ॐ नमस्तु ॥
द्विधं नमस्तु ॥
ययः यदं नमस्तु ॥
नमस्तु ॥ ० ॥

ॐ नमस्तु ॥
द्विधं नमस्तु ॥
ययः यदं नमस्तु ॥
नमस्तु ॥ ० ॥

ॐ नमस्तु ॥
द्विधं नमस्तु ॥
ययः यदं नमस्तु ॥
नमस्तु ॥ ० ॥

ॐ नमस्तु ॥
द्विधं नमस्तु ॥
ययः यदं नमस्तु ॥
नमस्तु ॥ ० ॥

ॐ कंग गाय नमः ॥
 ॐ कर्त्तु काय नमः ॥
 ॐ धर्तु नमः ॥
 ॐ वि धर्तु नमः ॥
 ॐ गाय गाय नमः ॥
 ॐ गुरव नमः ॥
 ॐ गुरुया गाय नमः ॥
 ॐ यीति नमः ॥
 ॐ य वि गाय नमः ॥
 ॐ यवमुय नमः ॥
 ॐ सिंद्रि वमुय नमः ॥
 ॐ सीता गाय नमः ॥
 ॐ सु (भी) गाय नमः ॥
 ॐ सवमुय नमः ॥
 आवाहना दि यज्ञ नी ॥

एवसन नुय नि धम नाः सर्वा
 एव नव सर्ववर्त्तु रव
 श्री गम वमु र्वे व नमा नमः ॥
 एव लं मा य य व र्त्तु र्वे व
 वसु रव यु द । ग न म वसु रव या
 तिः ग समा सु रव लस्म र्नी ॥ ० ॥

एव ग वि दि र्नी द क वं द य
 म्म म हि य रीः आ य य द स र्वा
 गी नः र्वे ति र्वे ना स य र्वे यं ॥

एव धि मुया व ध य र्वे व नु म
 म्म ग स र्व वं ॥ ना ना वि धि मि
 द क्रान्त्यः र्वे म्म गाय नमा नमः ॥

एव क्रि म्म र्क् मि द यथा र्वि
 व र्वे व ल यु द । य म र्वा य
 य दं री नः सिंद्र लाय नमा र्वे
 री ॥ ॥ सि धु या ॥ ० ॥ ० ॥

एव धि वि य सी द र्वे ॥ अ न्ना न्ना
 न्ने र्वि य र्वे नो सि न र्वे
 र्वे याम र्वे स द न स र्वे यि नो
 य री सि धि यि य

ग व व लु म र्वे ला र्वे नी ॥
 म र्वे र्वे याम र्वे क ग द्वा न्ना
 र्वा ॥ ग व अ र्वे य र्वे य र्वे
 द्वा द य दि र्वे क न ॥
 अ र्वे र्वे य र्वे र्वे र्वे ॥
 आ न्ना य र्वे न ॥
 र्वे नु म र्वे नमः ॥

॥ वा नृशर्कय नमः ॥

बालमर्त्यनाम॥

इष्टासि तत्र अत्र एव साधना ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमः॥

२६ सोम नाथ नमः॥

एवमासि नायनम् ॥

एति यत्र ति ति नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विष्णोदाधुवसंज्ञागञ्जि

॥ भगवन्मन्त्रं दास्यमहन्स

समात्रयुः यदाहस्यते तदा

सं॥ अयम्भिपयवेवःस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विश्वामित्रोवाच ॥

यथै नम । इति । इति ।

सतः कलासादश्रुतिः

विष्णुसर्वापायशोचतु

मासुषवेधे ॥ ० ॥

२७ पुनः स आगाकः आगाकः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यः (अथ गप द्यक नद्य यः)

सेनाह्वानेयेऽभ्यामाता

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ विष्णवे नमः ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ स्वर्गाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ आराधय नमः॥

ॐ निमिषात्तु नमः॥

अनाद्य तम ॥

ॐ नैवादि काय नमः॥

ॐ साक्षात् नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ गंगाधिपतय नमः ॥
 ॐ सिद्धगङ्गाय नमः ॥
 ॐ धादशधिय तय नमः ॥
 ॐ पूननेत्रपद्मासनाय
 ॐ सदाज्ञाय नमः ॥ नमः
 ॐ वामदेवाय नमः ॥
 ॐ अष्टात्राय नमः ॥
 ॐ गल्लुगष्टाय नमः ॥
 ॐ ॐ शम्भवाय नमः ॥
 ॐ शान्तनादिपूजनी ॥

शम्भवादि नय ॥ ० ॥
 शिवगङ्गाय विद्महे विद्या
 गङ्गाय धिमहे आत्मगङ्गा
 य पुष्पादया ॥ १ ॥
 नमस्तु नमः ॥

पूनमर्धियूजमंग ॥
 ॐ संशाममर्धय नमः ॥
 ॐ वः वतुमर्धय नमः ॥
 ॐ विः विधुमर्धय नमः ॥
 ॐ अः अमर्धय नमः ॥

ॐ ॐः साममर्धुलाय नमः ॥
 अष्टगन्धमर्धनयूजनी ॥ ५ ॥

ॐ मार्जगीषसामाय नमः ॥
 ॐ योगः निमकलाय नमः ॥
 ॐ पाद्मः शीताम्बकाय नमः ॥
 ॐ ह्रीष्टनसिंभनन्दनाय नमः ॥
 ॐ वैकुण्ठनाम्नकाय नमः ॥
 ॐ वैशम्भः निसाकत्राय नमः ॥
 ॐ शुकः अत्रिनेत्राय नमः ॥
 ॐ आषाढः सुवर्णाय नमः ॥
 ॐ शम्भवाः ॐ नुवे नमः ॥
 ॐ राहुः कर्मदवाधवाय
 ॐ अष्टमात्राय नमः ॥
 ॐ कार्दिकः पृथुवत्याय नमः ॥
 ॐ आषाढनादिपूजनी ॥

शिवनिपूजने ॥
 ॐ आदिशाय नमः ॥ ३ ॥ विष्णुः
 ॐ साक्षाय नमः ॥ शिवगङ्गा ॥
 ॐ अष्टमात्राय नमः ॥ बुद्ध ॥
 ॐ वः अष्टमात्राय नमः ॥ ६ ॥
 ॐ वः अष्टमात्राय नमः ॥ ७ ॥

ॐ शुक्राय नमः॥ वि॥
 ॐ भगिष्यत्राय नमः॥ दा॥
 ॐ गार्ग्यकात्राय नमः॥ वैवा॥
 ॐ कर्गकनमः॥ दाहोत्सर्ग॥
 ॐ उन्नमनमः॥ अर्गुत॥
 अर्गाहनादिपूजनं॥

रजार्थे ॥ स्मिन्नाय ॥ ०१ ॥
 अर्कदीर्घवर्गादिस्मिन्नादि
 नः वत्तवत्ता अम्पकात्ता
 नः ॥ सार्धषष्टिनां नभानि
 नः ॥ यिनः नभानि इन्द्रा
 नः सत्ता नभानि ॥ वत्ता
 नः समाप्त ॥

ॐ स्वस्ति नमः शिवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो वैलवाय नमः॥
 ॐ वसु वैलवाय नमः॥
 ॐ काम वैलवाय नमः॥
 ॐ उन्माद वैलवाय नमः॥
 ॐ कपाल वैलवाय नमः॥
 ॐ शिष्य वैलवाय नमः॥
 ॐ गोद वैलवाय नमः॥
 ॐ संहार वैलवाय नमः॥
 ॐ क्रोकोः क्रोः क्रुण्णाय
 वलिवटक्रूरस्वारः॥ ॥
 आर्षस्मृतः॥ अत्र नमिष्यमिदि॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ श्रीविष्णवे नमः ॥
 ॐ श्रीब्रह्माय नमः ॥
 ॐ श्रीशिवाय नमः ॥
 ॐ श्रीनारायणाय नमः ॥
 ॐ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ श्रीरामाय नमः ॥
 ॐ श्रीधर्मराजाय नमः ॥
 ॐ श्रीसत्यमेव जयते ॥

अथ शालादिपत्रम् ॥

नेवाद्यं जटकागोदयः राकि
मये नेवालीकृतः ००० योर्मिभ
वर्त्तद हि यमनेत्रपगाकृतिः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ दिनकलाय नमः॥

ॐ सुदा शिवाय नमः॥

ॐ नाराय नाराय नमः॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ शुद्धताय नमः॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अवाह्यपिदेवता ॥

अथ गनपतिस्तु ॥

ॐ गायत्री नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ लभाद्गोपनाम॥

ॐ विष्णवे नमः ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः॥

ॐ ह्रीं क्लीं य नमः ॥

ॐ श्रीसिंहाय नमः॥

ॐ शिवद्विजि नायकाय नमः॥

ॐ नमः शिवाय नमः॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते ॥

ॐ नमो नमः॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथाहं नादिपुत्रः॥

ॐ धर्मगुरुस्युक्तं ॥

ॐ नमो नमः॥

ॐ राधाधाम॥

ॐ स्वस्ति नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्रीगोविन्दाय नमः ॥

ॐ स्वस्त्यस्तु ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अवाहनादिपूजनं ॥

अथकाशीयः॥

ॐ मयागताय नमः॥

ॐ वक्रागिरेः सुखाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्री कामादिभूतनाम॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
 ॐ भक्तिरुत्तमाय नमः ॥
 ॐ मणिरुत्तमाय नमः ॥
 ॐ कमलान्तरालाय नमः ॥
 ॐ वलदरुत्तमाय नमः ॥
 ॐ लोहितवर्णाय नमः ॥
 ॐ वक्राये नमः ॥
 ॐ महेश्वरी नमः ॥
 ॐ कामाक्षी नमः ॥
 ॐ वैकुण्ठाय नमः ॥
 ॐ गङ्गाय नमः ॥
 ॐ चैत्राय नमः ॥
 ॐ ताम्रभुजाय नमः ॥
 ॐ मातङ्गिके नमः ॥
 ॐ आचारनादियज्ञाय नमः ॥

एतदेव गङ्गादिद्वयं त्रिकुम्भ
 खलान्तरालं ॥ ॐ त्रिपुरांशवर्धन
 दिपयः प्रवर्धनाय नमः ॥ ७ ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य त्रिलोकेश्वरस्य
 पुत्रस्य ॥ १८ ॥ त्रिकुम्भस्य ॥ १९ ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य ॥ २० ॥

एतदेव गङ्गादिद्वयं त्रिकुम्भ
 खलान्तरालं ॥ ॐ त्रिपुरांशवर्धन
 दिपयः प्रवर्धनाय नमः ॥ ७ ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य त्रिलोकेश्वरस्य
 पुत्रस्य ॥ १८ ॥ त्रिकुम्भस्य ॥ १९ ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य ॥ २० ॥

अष्टाङ्गनामस्तु ॥ ॐ ॥ ॥ ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य त्रिलोकेश्वरस्य
 पुत्रस्य ॥ १८ ॥ त्रिकुम्भस्य ॥ १९ ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य ॥ २० ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य त्रिलोकेश्वरस्य
 पुत्रस्य ॥ १८ ॥ त्रिकुम्भस्य ॥ १९ ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य ॥ २० ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य त्रिलोकेश्वरस्य
 पुत्रस्य ॥ १८ ॥ त्रिकुम्भस्य ॥ १९ ॥
 त्रिलोकेश्वरस्य ॥ २० ॥

[illegible][illegible]

एतन्नविर्कथ्य लवकं च
 शिवादिग्रहाश्च दूष्मानलकु
 वनश्च न गजश्चिकानलिश्च
 सुरश्चामिणिकिधनश्च लोका
 लधनः कर्षकुभर्मगलः ॥१॥
 नृणां भित्तिगर्भश्चैष सुपथे
 न निजयथावर्तयर्कद्विभूय
 दजयं त्रिभुवनं व्यापयन्
 तयं गंगमवाहयथ जयं न
 लं ध्वजयन् विष्णुं सर्वनाकि
 तयः द्विजं लविगर्भं कर्षकुभर्म
 गलं ॥२॥ वासिकः सनकः स
 नातनसुनिद्याभिवासिस्तु
 जावालेर्ममदनिजकृज नक
 ः कस्तमिना गमनः । मां ध्याता
 एतन्नात्यथ सगन्धश्च द्विती
 धाननश्च धर्मजयातिनेष्ट
 षः कर्षकुभर्मगलं ॥३॥ रमणी
 यीनदिति धकृत्तु रगम आनि

